भारतीय वानिकी अनुसंधान
एवं शिक्षा परिषद्

वानिकी समाचार

जून 2021

वर्ष 13 सं. 6

भारत का अमृत महोत्सव

- वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयंबत्तूर ने किसानों/वृक्ष उत्पादकों के लिए 11 जून 2021 को "व.आ.वृ.प्र.सं. के यूकेलिप्टस कृंतकों के प्रचार" पर वेबिनार का आयोजन किया और व.आ.वृ.प्र.सं. (तमिल संस्करण) – "पेसुम मरंगल" पर वृत्तचित्र का विमोचन किया। "भारत का अमृत महोत्सव 2021– साइंस टू – सोसाइटी" के अंतर्गत वेबिनार श्रृंखला का आयोजन भी किया गया।
- काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलुरु ने 11 जून 2021 को भारत का अमृत महोत्सवः काष्ठ सम्मिश्र पर ऑनलाइन कार्यक्रम का आयोजन किया। तकनीकी सत्र में काष्ठ, पैनल और प्लाई उद्योग, फर्नीचर उद्योग, काष्ठ सम्मिश्र पर प्रसिद्ध उद्योगपतियों और संबंधित क्षेत्र के वैज्ञानिकों द्वारा संबोधन/प्रस्तुति शामिल थी। वेबिनार में उद्योगपतियों, वैज्ञानिकों, शिक्षाविदों, शोधार्थियों आदि ने भाग लिया।
- वन उत्पादकता संस्थान, रांची ने 7 जून 2021 को भारत का अमृत महोत्सवः "भारतीय वनों से न्यूट्रास्युटिकल महत्व के कवक" पर ऑनलाइन कार्यक्रम का आयोजन किया। संस्थान के अधिकारियों और कर्मचारियों, अन्य संस्थानों के शोधार्थियों/विद्यार्थियों और शिक्षाविदों सहित 80 प्रतिभागियों ने कार्यक्रम में भाग लिया।
- वन उत्पादकता संस्थान, रांची ने 15 जून 2021 को भारत का अमृत महोत्सवः "कार्बन भंडारण और पृथक्करण संभाव्यता" पर ऑनलाइन कार्यक्रम का आयोजन किया। 49 प्रतिभागियों ने कार्यक्रम में भाग लिया।

अनुक्रमणिका

	पृष्ठ सं.
भारत का अमृत महोत्सव	01
महत्त्वपूर्ण अनुसंधान निष्कर्ष	02
परामर्श	02
कार्यशालाएं/संगोष्ठियां/बैठकें	02
प्रशिक्षण कार्यक्रम	03
राजभाषा गतिविधियां	04
समझौता ज्ञापन	04
आकाशवाणी के माध्यम से वानिकी का प्रचार	04
विविध	04
मानव संसाधन समाचार	04

वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयंबत्तूर द्वारा "भारत का अमृत महोत्सव" समारोह

वन उत्पादकता संस्थान, रांची द्वारा "भारत का अमृत महोत्सव" समारोह

महत्त्वपूर्ण अनुसंधान निष्कर्ष

वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयंबत्तूर

टैरोकार्पस सैन्टेलिन्स (रक्त चंदन) के अतः काष्ठ सत्त से सफलतापूर्वक एक लिपस्टिक विकसित की गई। तमिलनाडु टेस्ट हाउस लिमिटेड, चेन्नई (एनएबीएल मान्यता प्राप्त प्रयोगशाला) में इसके भौतिक–रासायनिक मापदंडों जैसे मृदूकरण बिंदु, विकृतगंधिता, भंजन भार मान, अपरिक्षिप्त रंजक के कण आकार और भारी धातुओं (आर्सेनिक, सल्फेट्स और लेड) की सांद्रता का मूल्यांकन किया गया है। उत्पाद राष्ट्रीय मानक द्वारा निर्धारित सभी आवश्यकताओं को पूरा करता है जो उत्पाद को पूरी तरह से जैविक सिद्ध करता है।

शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर

साल्वाडोरा पर्सिका वृक्ष की प्रजातियों पर एएमएफ के प्रभाव का आकलन दो एएमएफ प्रभेदों *(ग्लोमस फैसीकुलेटम* और *ग्लोमस एग्रीगेटम)* के साथ पौध संरोपण द्वारा किया गया। पादप की ऊंचाई में वृद्धि, प्ररोह का शुष्क भार, जड़ का शुष्क भार और कुल जैवमास अभिलिखित किया गया। *जी. फैसीकुलेटम* और *जी. एग्रीगेटम* संरोपण में वर्धित ऊंचाई और *सा. पर्सिका* पौध का शुष्क जैवमास देख गया। *जी. फैसीकुलेटम* को ऊंचाई वर्धन में *जी एग्रीगेटम* से बेहतर पाया गया। हालांकि, दोनों एएमएफ के संयोजन ने सबसे अच्छा परिणाम और उच्चतम जैवमास दिया।

वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून

- संरक्षण और संवहनीय उपयोजन के लिए कांजीलाल की चकराता, देहरादून और सहारनपुर वन प्रभाग, उत्तर प्रदेश की वन वनस्पतियों का संशोधन परियोजना के अंतर्गत 25 प्रजातियों की नामावली का अद्यतन और विवरण कार्य पूरा किया गया।
- संरक्षण और संवहनीय उपयोजन के लिए कुमाऊं के लिए ओस्मास्टन की वन वनस्पतियों का संशोधन परियोजना के अंतर्गत 30 प्रजातियों की नामावली का अद्यतन और विवरण कार्य पूरा किया गया।
- उत्तराखंड के घास के मैदानों के लक्षण–वर्णन और पारिस्थितिकी–वितरण अध्ययन – परियोजना के अंतर्गत घास की 10 प्रजातियों की पहचान की गई।
- वन आनुवंशिक संसाधनों के संरक्षण एवं विकास पर राष्ट्रीय कार्यक्रम : वन आनुवंशिक संसाधनों पर उत्कृष्टता केन्द्र की स्थापना परियोजना के अंतर्गत उत्तराखंड के विभिन्न स्थानों से एकत्रित 30 प्रजातियों के पुनर्जनन का विश्लेषण किया गया।
- *होप्लोसेरेम्बिक्स स्पिनिकोर्निस* न्यूमैन (कोलिओप्टेरा : सिरमबाइसिडी) भृंगों ने मानसून की पहली बारिश के बाद तीमली वन क्षेत्र में निकलना शुरू किया। हवा से गिरे वृक्षों से भृंगों को एकत्र किया गया और 10,12 और 14 जून 2021 को युवा वृक्षों को (110 जीबीएच, 205 जीबीएच और 185 जीबीएच) चिह्नित किया गया। इन वृक्षों से अंडे एकत्र किए गए और अध्ययन के लिए प्रयोगशाला में लाए गए। लिंगानुपात नर जाति के पक्ष में विषम है।

परामर्श

वर्तमान में प्रभाग में 12 परामर्श परियोजनाओं के अंतर्गत कार्य चल रहे हैं। इस माह के दौरान निष्पादित उपलब्धियों और कार्यों में निम्नलिखित शामिल हैं:

1. कुठेर एचईपी, जेएसडब्ल्यू, लिमिटेड के प्राधिकरण को कुठेर एचईपी (240 मेगावाट) के जैव विविधता संरक्षण और वन्यजीव प्रबंधन योजना के अद्यतनीकरण के लिए नया प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया।
2. डिपोजिट– 11ए (11 एमएल का भाग), बीआईओएम, बचेली कॉम्प्लेक्स, एनएमडीसी के लिए ईएम और आर एंड आर योजना पर मसौदा अंतिम रिपोर्ट एनएमडीसी लिमिटेड, हैदराबाद, तेलंगाना को प्रस्तुत किया गया।

कार्यशालाएं / संगोष्ठी / बैठकें

विषय	अवधि	लाभार्थी
वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून		
पारिस्थितिकी–पुनःस्थापन एवं पुनर्वास	17 जून 2021	-

प्रशिक्षण कार्यक्रम

क्र.म.	विषय	तिथि	लाभार्थी
	वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयम्बत्तूर		
1.	भा.वा.अ.शि.प. द्वारा विकसित सीड बॉल तकनीक	22 जून 2021	तमिलनाडू एवं केरल के राज्य वन विभाग के क्षेत्र अधिकारी

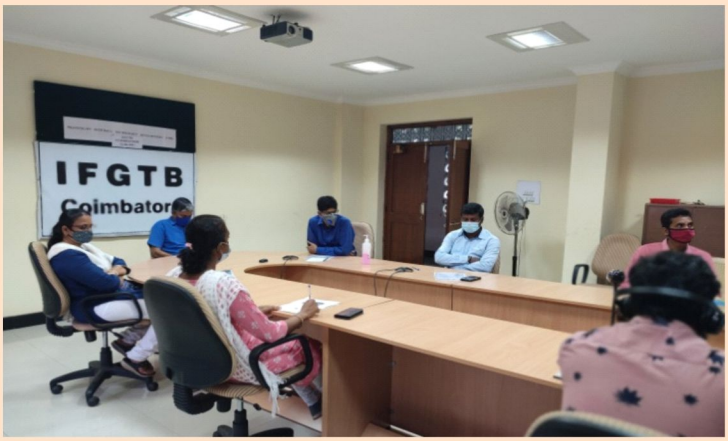

भा.वा.अ.शि.प. द्वारा विकसित सीड बॉल तकनीक

	काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलुरू		
2.	चंदन की खेती और इसका स्वास्थ्य प्रबंधन	30 जून 2021	चन्दन उत्पादक
	उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर		
3.	भा.वा.अ.शि.प. द्वारा विकसित सीड बॉल तकनीक	25 जून 2021	मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ राज्य के वन अधिकारी
	शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर		
4.	*प्रोसोपिस सिनेरेरिआ* (एल.) में कली में कलम बांधने की तकनीक	21–25 जून 2021	वरिष्ठ तकनीशियन, तकनीकी अधिकारी, व.त.अ. एवं मु.त.अ.
	वन उत्पादकता संस्थान, रांची		
5.	लाख की खेती की प्रक्रिया	10 एवं 11 जून 2021	गुरू घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर छत्तीसगढ़ के विद्यार्थी
6.	सीड बॉल तकनीक का कार्यान्वयन	30 जून 2021	बिहार, झारखंड एवं पश्चिम बंगाल के रा.व.वि.

राजभाषा गतिविधियाँ

हि.व.अ.सं., शिमला ने 17 जून 2021 को हिन्दी राजभाषा की तिमाही बैठक का आयोजन किया। निदेशक, समूह समन्वयक, सहायक निदेशक (राजभाषा) एवं हि.व.अ.सं. के सभी विभाग प्रमुख ने कार्यक्रम में भाग लिया।

समझौता ज्ञापन

बांस उपयोजन के क्षेत्र में अनुसंधान स्थापित एवं संचालित करने के लिए काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्यौगिकी संस्थान (IWST), कोंकण बैम्बू एंड केन डेवलपमेंट सेंटर, कुडाल, सिंधुदुर्ग और फीनिक्स फाउंडेशन, संत, लोदगा तालुका–औसा द्वारा एक त्रिपक्षीय समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए गए। यह समझौता ज्ञापन 1 जून 2021 से 5 वर्षों के लिए प्रभावी है।

आकाशवाणी के माध्यम से वानिकी का प्रचार

विषय	चैनल	दिनांक
वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट		
पारिस्थितिकी तंत्र पुनःस्थापन एवं हमारी सार्थक भागीदारी	आकाशवाणी, जोरहाट	5 जून 2021

विविध

संस्थान	विशेष दिन/विषय	अवधि
भा.वा.अ.शि.प. एवं इसके संस्थान	विश्व पर्यावरण दिवस	5 जून 2021
शु.व.अ.सं., जोधपुर एवं व.अ.सं., देहरादून	विश्व मरुस्थलीकरण एवं सूखा रोकथाम दिवस	17 जून 2021
भा.वा.अ.शि.प. संस्थान	अंतरराष्ट्रीय योग दिवस	21 जून 2021

का.वि.प्रौ.सं., बेंगलूरू में विश्व पर्यावरण दिवस समारोह

व.व.अ.सं., जोरहाट में विश्व पर्यावरण दिवस समारोह

मानव संसाधन समाचार

नियुक्तियां

अधिकारी का नाम	दिनांक
सुश्री रूबी पटेल, वैज्ञानिक – 'बी', व.जै.सं., हैदराबाद	16.06.2021

संप्रत्यावर्तन

अधिकारी का नाम	दिनांक
श्री एस.आर. रेड्डी, उ.व.सं., व.अ.सं., देहरादून	11.06.2021

सेवानिवृत्ति

अधिकारी का नाम	दिनांक
श्रीमती मनजीत शर्मा, नि.स., भा.वा.अ.शि.प.	30.06.2021
श्रीमती अनुराधा भाटी, पुस्तकालयाध्यक्ष, शु.व.अ.सं., जोधपुर	30.06.2021
डॉ. एस.के. शर्मा, वैज्ञानिक – 'जी', का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरू	30.06.2021
श्री तमिलाराशि, आर., स.मु.त.अ., व.आ.वृ.प्र.सं., कोयम्बत्तूर	30.06.2021
श्री सशीधरन, के.आर., वैज्ञानिक – 'एफ', व.आ.वृ.प्र.सं., कोयम्बत्तूर	30.06.2021

सरंक्षकः
श्री अरूण सिंह रावत, महानिदेशक, भा.वा.अ.शि.प., देहरादून
संपादक मंडलः
डॉ. सुधीर कुमार, उप महानिदेशक (विस्तार), अध्यक्ष
डॉ. गीता जोशी, सहायक महानिदेशक (मीडिया एवं विस्तार), मानद सम्पादक
श्री रमाकान्त मिश्र, मुख्य तकनीकी अधिकारी, (मीडिया एवं विस्तार), सदस्य

प्रत्याख्यान
- केवल निजी रूप से प्रसारण करने हेतु।
- वानिकी समाचार में, प्रकाशित सामग्री, संपादक मंडल के विचारों को अनिवार्यतः प्रतिबिंबित नहीं करती हैं।
- यहाँ प्रकाशित सूचना के लिए किसी भी प्रकार के नुकसान की भरपाई के लिए भा.वा.अ.शि.प. उत्तरदायी नहीं होगा।